B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2009/06

Kriya Sharir-A

[Old Scheme-w.e.f. admission prior to 2007]

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. दोष, धातु, उपधातु और मलों की व्युत्पत्ति एवं संख्याजन्य सामान्य परिचय लिखिए । 15

2. श्वसन प्रक्रिया का आयुर्वेद एवं आधुनिक मतानुसार वर्णन करें। 15

3. पित्त दोष की निरुक्ति, स्वरूप, गुण, कर्म, स्थान एवं भेदों का वर्णन करें । 15

4. अग्नियों के प्रकार बताते हुए जठराग्नि का वर्णन कीजिए । 15

5. आहार द्रव्यों का वर्गीकरण करते हुए कार्बोहाइड्रेट के पाचन की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए ? 15

6. **निम्न पर टिप्पणी लिखें।** 15

   क) कृत्रिम श्वसन कर्म

   ख) आहार विधि विशेषायतन

   ग) पित्त प्रकृति पुरुष के लक्षण

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2009/06

Kriya Sharir-B

[Old Scheme-w.e.f. admission prior to 2007]

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. रक्तस्कन्दन की प्रक्रिया का स्कन्दक कारकों के साथ विस्तारत: वर्णन करें। 15

2. स्तन्य की उत्पत्ति तथा इसके गुण-कर्मों का उल्लेख करते हुए शुद्ध स्तन्य की परीक्षा का विवेचन करें। 15

3. शुक्रवह स्त्रोतस का वर्णन करते हुए शुक्र क्षय-वृद्धि के लक्षणों का वर्णन करें। 15

4. पीयूष ग्रंथि के अन्त:स्त्रावों का शरीर पर होने वाले प्रभावों का वर्णन करें 15

5. मनोवह स्त्रोतस संबंन्धित दोषों का वर्णन करते हुए मानस-शरीर दोषों में परस्पर संबन्ध का विवेचन करें। 15

6. कर्ण का सचित्र वर्णन करते हुए श्रवण ज्ञान प्रक्रिया का वर्णन करें। 15

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2009/06

Rachna Sharir-A

[Old Scheme-w.e.f. admission prior to 2007]

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. शरीर, शारीर एवं शरीरि की व्याख्या करते हुए त्रिगुणात्मकता का वर्णन करें। 15

2. गर्भ का मासानुमासिक विकास क्रम लिखें। 15

3. **संक्षेप में लिखें।** 15
   - अ) अंसफलक (**SCAPULA**)
   - ब) चिकित्सा पुरूष
   - स) अंजली प्रमाण

4. स्त्रोतस के व्यवहारिक पक्ष को लिखते हुए अन्नवह स्त्रोतस का वर्णन करें। 15

5. तुन्नसेवनी संधियों (SUTURES) का सचित्र वर्णन करें। 15

6. **संक्षेप में लिखें।** 15
   - अ) संघात
   - ब) जंघा पिण्डिका पेशियाँ (CALF MUSCLES)
   - स) सिरा (VEIN)

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2009/06

Rachna Sharir-B

[Old Scheme-w.e.f. admission prior to 2007]

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. कोष्ठ एवं आशय शब्द की व्याख्या करते हुए आमाशय का सचित्र वर्णन करें। 15

2. पीयूसिका ग्रन्थि (PITUITARY GLAND) का सचित्र वर्णन करें। 15

3. कला शब्द की व्याख्या करते हुए मस्तिष्कावरण कला (MENINGS) का सचित्र वर्णन करें। 15

4. शीर्षण्य नाड़ियों (CRANIAL NERVES) का वर्णन करें। 15

5. इन्द्रिय शब्द की निरुक्ति, संख्या, भेदों का वर्णन करते हुए रसनेन्द्रिय का विस्तृत वर्णन करें। 15

6. मर्म शब्द की व्याख्या, संख्या, प्रकार बताते हुए सद्यः प्राणहर मर्मो का वर्णन करें। 15

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2009/06

Ashtang Sangrah

[Old Scheme-w.e.f. admission prior to 2007]

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. साध्यसाध्यता की दृष्टि से रोग का भेद एवं उनका लक्षण लिखें। 15

2. जनोपध्वंस का कारण एवं उनसे बचने का उपाय लिखें। 15

3. 'नानौषधंभूतं जगाते किचिच्द्द्रथमास्ते विविधार्थ प्रयोगवशात्' इसकी सोदाहरण व्याख्या करें। 15

4. स्वेद की परिभाषा लिख कर अग्निस्वेद की संक्षिप्त परिचयात्मक व्याख्या करें। 15

5. गण्ड्ष का भेद बतलाकर गण्ड्ष एवं कवल में अन्तर लिखें । 15

6. **टिप्पणी लिखें।** 15

   क) आम एवं पच्चमान शोफ

   ख) शल्य आहरण के उपाय

   ग) सीवन कर्म

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2009/06

Padarth Vigyan-A

[Old Scheme-w.e.f. admission prior to 2007]

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. आयुर्वेद से संबन्धित दर्शनों का वर्णन करते हुए, षड दर्शन की चिकित्सा में उपयोगिता उदाहरण देकर बतायें। 15

2. द्रव्य के लक्षण एवं संख्या बताकर, पंचमहाभूतों का वर्णन करें। 15

3. षड्धात्वात्मक पुरुष का वर्णन कर शशि पुरुष एवं कर्म पुरुष में अन्तर स्पष्ट करें। 15

4. गुणों के लक्षण, संख्या एवं निरूपण बताकर गुवीदी एवं परादि गुणों का चिकित्सकीय महत्व लिखें। 15

5. विशेष का निरूपण, लक्षण एवं भेद लिखकर, सामान्य एवं विशेष की प्रवृत्ति का वर्णन करें। 15

6. आत्मा का लक्षण, उत्पत्ति एवं भेद लिखकर, आत्मा एवं परमात्मा में अन्तर स्पष्ट कर चिकित्सकीय उपयोगिता का वर्णन करें। 15

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2009/06

Padarth Vigyan - B

[Old Scheme-w.e.f. admission prior to 2007]

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. आयुर्वेद शास्त्र में प्रमाण ज्ञान का महत्व बताते हुए विभिन्न दार्शनिकों द्वारा बताये गये प्रमाणों की संख्या एवं नामों का उल्लेख करते हुए जैन दर्शन में बताये गये प्रमाणों के प्रमुख प्रकारों का संक्षिप्त वर्णन करें। 15

2. अनुमान प्रमाण का लक्षण तथा चरकोक्त अनुमान के भेदों का संक्षिप्त वर्णन करें। 15

3. उपमान प्रमाण की निरुक्ति, उपमान प्रमाण के लक्षण तथा आयुर्वेद में इसकी उपयोगिता लिखें। 15

4. इंद्रिय लक्षण, इन्द्रिय शब्द की व्युत्पत्ति तथा इंद्रियों के प्रकार का वर्णन करें। 15

5. कारण के प्रकार तथा लक्षण लिखते हुए सत्कार्यवाद का संक्षिप्त वर्णन करें। 15

6. तंत्रयुक्ति क्या हैं ? उनकी संख्या तथा प्रयोजन लिखते हुए किन्हीं पाँच तंत्रयुक्तियों का संक्षिप्त वर्णन करें। 15

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2009/06

Sanskrit - A

[Old Scheme-w.e.f. admission prior to 2007]

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. **प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए ।** 4x5=20

क) अग्निवेशकृते तन्त्रे चरक प्रतिसंस्कृते ।
यदिहास्ति तदन्यत्र यन्नेहास्ति न तत् क्वचित् ।।

ख) धर्मार्थ काममोक्षाणामारोग्यं साधनं यत: ।
तस्मादारोग्य दानेन तद्दत्तं स्याच्चतुष्टयम् ।।

ग) समदोष: समाग्निश्च समधातुमलक्रिय: ।
प्रसन्नात्मेन्द्रियमन: स्वस्थ इत्यभिधीयते ।।

घ) शनैरर्थ: शनै: पन्था: शनै: पर्वतमारुहेत् ।
शनैर्विधा च धर्मश्च व्यायामश्च शनै: शनै:।।

2. क) व्यायाम विज्ञानीय अध्याय से प्राप्त शिक्षा शरीर संवछनि में कितनी सहायक है ? लिखें । 10

ख) **आशय स्पष्ट करे ।** 5
स्थैर्य: दोष:, अग्नि: मन:, वारुणम्

3. **सप्रसंग व्याख्या कीजिए ।** 3x4=12

क) अङ्गादङ्गात् संभवसि हृदयादधि जायसे।
आत्मा वै पुत्रनामाऽसि स जीव शरद:शतम् ।।

ख) देवान् भावयताडनेन ते देवा भावयन्तु व: ।
परस्परं भावयन्यत: श्रेय: परमावाप्स्यथ ।।

ग) सर्वमन्यत् परित्यज्य शरीरमनुपालयेत् ।
तदभावे हि भावानां सर्वाभाव: शरीरिणाम् ।।

4. अष्टाङ्गायुर्वेद पर प्रकाश डालिए 8

5. **सप्रसंग व्याख्या कीजिए** 4x5=20

क) व्याधितेन सशोकेन चिन्ताग्रस्तेन जन्तुना ।
कामार्तेनाथ मत्तेन दृष्ट: स्वप्नो निरर्थक :।।

ख) जीर्यन्ते जीर्य्यत: दन्ता: जीर्यन्तिं जीर्यत:।
चक्षु: श्रोन्ने च जीर्येते तृष्णैका तरुणायते ।।

ग) अतिलोभो न कर्तव्यो लोभं नैव परित्यजेत्त् ।
अतिलोभाभिभूतस्य चक्रं भ्रमति मस्तके ।।

घ) महान्त एव महतामर्थं साधयितुं क्षमा: ।
ऋते समुद्रादन्य: को विभर्ति वडवानलम् ।।

6. **निम्न श्लोक पर आधारित कथा तथा उससे प्राप्त होने वाली शिक्षा लिखिए ।** 15

अपि शास्त्रेषु कुशला लोकाचार विवर्जिता: ।
सर्वे ते हास्यतां यान्ति यथा ते मूर्खपण्डिता: ।।

.....

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2009/06

Sanskrit - B

[Old Scheme-w.e.f. admission prior to 2007]

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. प्रयत के प्रकार सोदाहरण लिखें। 6

2. (क) **सन्धि करें।** 5
शिवः + वन्द्यः, श्री + ईशः, को + अत्र, लृ + आकृतिः, तत् + जयः

(ख) **सन्धिच्छेद करें।** 5
गायकः, यद्यपि, तच्छिवः, नीरोगः, उपेद्रः

3. **समस्त पद विग्रह कर समास नाम लिखें।** 6
उपकृष्णम्, पाणिपादम्, त्रिलोकी, नीलकण्ठः, चौरभयम्, कृष्णसर्पः।

4. (क) **निम्न उपपदों को वाक्यों में प्रयोग करें ।**
आरात्, सदृशः, वषट्, उभयतः, चिनोति, अभितः, अन्तरेण, स्वधा। 8

(ख) **स्त्री-प्रत्यान्त रूप लिखें ।** 5
युवन्, अज, साधक, तापस, सूर्य।

5. (क) **यथानिर्दिष्ट प्रयत्य लगाएं ।** 5
भू + क्तः, नम् + तव्यत्, पठ् + अनीय, रक्ष + शतृ, सेव + शानच्

(ख) **प्रकृति प्रत्यय अलग करें ।** 5
चयनीयः, हसितुम्, भूतः, गतवान्, पातव्यः।

6. (क) **निम्न शब्दों के सभी विभक्तियों में रूप लिखें।** 10
लता, तद् (पु.) मुनि, वारि।

(ख) **संख्यावाची शब्दों को संस्कृत में लिखें।** 2
दस, पांच, सात, दो।

7. **निम्न धातुओं के निर्दिष्ट रूप लिखें।** 10
गम् (लट्) भू (लङ्) पठ् (लृट्), हस् (विधिलिङ्)।

8. **संस्कृत में अनुवाद करें।** 15
(क) मैं अपने घर जाता हूँ।
(ख) राजा का कल्याण हो।
(ग) मैं मैदान में खेलूँगा।
(घ) राम अपनी पुस्तक पढ़ता है।
(ङ) आज वर्षा होगी ।
(च) क्या तूने दूध पीया ?
(छ) पुत्र पिता की सेवा करता है।
(ज) गाय दूध देती है।
(झ) यह धन किसका है ?

[P.T.O.]

9. **अशुद्धि संशोधन करें।** 8

(क) सः माम् क्रुध्यति।

(ख) रामः पुस्तकानि पठन्ति।

(ग) ग्रामस्य परितः वृक्षाः सन्ति।

(घ) त्वया पाठं पठसि।

(ङ) कलहस्य अलम्।

(च) ते उपवनं गच्छति।

(छ) सः सर्पेण बिभेति।

(ज) त्वं कुत्र गच्छति ?

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2009/06

Ayurved Ka Itihas

[Old Scheme-w.e.f. admission prior to 2007]

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. वैदिक काल का निर्धारण करते हुए, आयुर्वेद के उपवेदत्व को सिद्ध करें। 15

2. आत्रेय सम्प्रदाय का वर्णन कर, आचार्य अग्निवेश के महत्व को प्रतिपादित करें। 15

3. **टिप्पणी लिखें।** 15
   क) अरूण दत्त
   ख) आमल्ल

4. वृक्षायुर्वेद का वर्णन करते हुए, हिपोक्रेटिस के सिद्धान्तों का संक्षेप में वर्णन करो। 15

5. **टिप्पणी लिखें।** 15
   क) वृहत्रयी
   ख) गणनाथसेन
   ग) कौटिल्य अर्थशास्त्र में आयुर्वेद

6. आयुर्वेद के पत्र पत्रिकाओं के महत्व पर एक लेख लिखें। 15